कुरान में यीशु और मरियम के बारे में सच्चाई बताई गई है

बातें जो ईसाइयों को जानना ज़रूरी है

प्रकाशक

MASFOT
Raise Yourself To Help Mankind
NABA
MAS FOUNDATION TRUST

MAS Foundation Trust
19 Thacker Street
Purasawalkam
Chennai 600 084
88388 92393

Hindi JEM

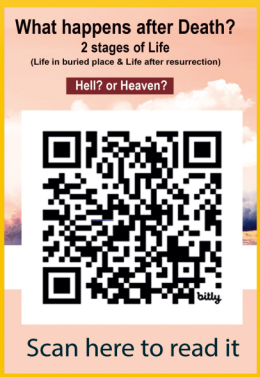
God had created the Universe and estableshed Adam (the first man) on the earth to live based on the following Three main Priciples only.
Until the doomsday these three priciples must be adhered by all.
You and your descendants must know and follow it in order to attain Paradise after death. Here are they:



Monotheism



Prophethood



Life after Death

कुरान में यीशु और मरियम के बारे में सच्चाई बताई गई है

बातें जो ईसाइयों को जानना ज़रूरी है)

प्रकाशक

MAS FOUNDATION TRUST

एमएएस फाउंडेशन ट्रस्ट
ठाकर स्ट्रीट पुरसावलकम
चेन्नई 600 084

प्रस्तावना

प्रिय भाइयों और बहनों,

यह पुस्तक जो आपके हाथ में है वह बिल्कुल स्पष्ट सत्य है जो अंतिम पवित्र ग्रंथ कुरान आपको यीशु (उन पर शांति हो) और उनकी मां मरियम (उन पर शांति हो) के बारे में बताता है।

अधिकांश ईसाई जानते हैं कि मुसलमानों की आस्था का उनसे कुछ लेना-देना है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह क्या है?

यह स्पष्टीकरण है....

पैगंबर इब्राहिम के दो बेटे थे, एक इशाक और दूसरा इश्माएल। कुरान स्पष्ट रूप से बताता है कि मूसा और यीशु इशाक के वंशज थे। (उन सभी पर शांति हो)

पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) इश्माएल (उन पर शांति हो) के वंशज हैं। पुराने और नए नियम दोनों में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि अंतिम पैगंबर इश्माएल के वंशजों में दिखाई देंगे।

पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) का जन्म लगभग 1400 साल पहले आज के सऊदी अरब में इश्माएल (उन पर शांति हो) के वंशजों में हुआ था। 40 वर्ष की आयु में, ईश्वर ने उन्हें (अंतिम) पैगंबर के रूप में चुना था, और 63 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। जीवन के इन 23 वर्षों के दौरान, ईश्वर ने देवदूत जिब्रील (गेब्रियल) के माध्यम से उन पर पवित्र कुरान प्रकट किया। यह अंतिम धर्मग्रंथ है. इसके बाद दुनिया के अंत तक कोई धर्मग्रंथ नहीं आएगा और पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) के बाद कोई दूसरा दूत नहीं आएगा।

यह अंतिम ग्रंथ आदम से लेकर यीशु तक के सभी पिछले दूतों की पुष्टि करता है और सभी दूत एक ही सिद्धांत लेकर आए। एक तो केवल उस ईश्वर की पूजा करना जिसने हमें बनाया है, और दूसरा यह कि ईश्वर जो भी दूत चुनेंगे, वे लोगों को बताएंगे कि क्या करना है और क्या नहीं करना है (हलाल और हराम) और लोगों को इसका पालन करना होगा। ईश्वर का नियम है.

इस सिद्धांत के आधार पर, पवित्र क़ुरआन अपने से पहले आए सभी दूतों और धर्मग्रंथों की पुष्टि करता है।

इस तरह, ईश्वर ने कुरान में यीशु मसीह (उन पर शांति हो) के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है जो पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) के जन्म से लगभग 600 साल पहले पैदा हुए थे और उनकी मां एक महान महिला थीं और उनका जन्म भी कैसे हुआ था। कुरान चेतावनी देता है कि यीशु एक दूत हैं न कि ईश्वर के पुत्र, और ऐसा कहना बहुत बड़ा पाप है।

यह पुस्तक कुरान में उल्लिखित उन आयतों को (अलग-अलग) संकलित करके प्रकाशित की गई है ताकि ईसाई समुदाय सच्चाई को समझ सके और अल्लाह की ओर मुड़ सके।

एम.ए.एस फाउंडेशन ट्रस्ट

टिप्पणी

इन आयतों में पाया जाने वाला अल्लाह शब्द ईश्वर के लिए अरबी शब्द है।

कुरान में जीसस और मैरी का उल्लेख है

अल-बक़रा- 2:87

तथा निःसंदेह हमने मूसा को पुस्तक (तौरात) प्रदान की और उसके बाद लगातार रसूल भेजे, और हमने मरयम के पुत्र ईसा को खुली निशानियाँ दीं और रूहुल-क़ुदुस[1] (पवित्र-आत्मा) द्वारा उन्हें शक्ति प्रदान की। फिर क्या जब कभी कोई रसूल तुम्हारे पास वह चीज़ लेकर आया जिसे तुम्हारे दिल न चाहते थे, तो तुमने अभिमान किया, चुनाँचे एक समूह को झुठला दिया और एक समूह की हत्या करते रहे।

अल-बक़रा- 2:136

(ऐ मुसलमानो!) तुम कह दो : हम अल्लाह पर ईमान लाए और उसपर जो हमारी ओर उतारा गया, और जो इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब तथा उसकी संतान की ओर उतारा गया, और जो मूसा एवं ईसा को दिया गया तथा जो समस्त नबियों को उनके पालनहार की ओर से दिया गया। हम उनमें से किसी एक के बीच अंतर नहीं करते और हम उसी (अल्लाह) के आज्ञाकारी हैं।

अल-बक़रा- 2:253

ये रसूल हैं, हमने इनमें से कुछ को कुछ पर श्रेष्ठता प्रदान की। इनमें से कुछ वे हैं जिनसे अल्लाह ने बात की, और उनमें से कुछ के उसने दर्जे ऊँचे किए। तथा हमने मरयम के पुत्र ईसा को खुली निशानियाँ दीं और उसे रूहुल-क़ुदुस[1] द्वारा शक्ति प्रदान की। और यदि अल्लाह चाहता, तो उनके बाद आने वाले लोग उनके पास खुली निशानियाँ आ जाने के पश्चात आपस में न लड़ते। परंतु उन्होंने मतभेद किया, तो उनमें से

कोई तो वह था जो ईमान लाया और उनमें से कोई वह था जिसने कुफ़्र किया। और यदि अल्लाह चाहता, तो वे आपस में न लड़ते, लेकिन अल्लाह जो चाहता है, करता है।

आल-ए-इमरान- 3:33

निःसंदेह अल्लाह ने आदम और नूह को तथा इबराहीम के घराने और इमरान के घराने को संसार वासियों में से चुन लिया।

आल-ए-इमरान- 3:34

ये एक-दूसरे की संतान हैं और अल्लाह सब कुछ सुनने वाला और सब कुछ जानने वाला है।

आल-ए-इमरान- 3:35

जब इमरान की पत्नी[1] ने कहा : ऐ मेरे पालनहार! निःसंदेह मैंने तेरे[2] लिए उसकी मन्नत मानी है, जो मेरे पेट में है कि आज़ाद छोड़ा हुआ होगा। सो मुझसे स्वीकार कर। निःसंदेह तू ही सब कुछ सुनने वाला, सब कुछ जानने वाला है।

आल-ए-इमरान- 3:36

फिर जब उसने उसे जना, तो कहा : ऐ मेरे पालनहार! यह तो मैंने लड़की जनी है! और अल्लाह अधिक जानने वाला है जो उसने जना और लड़का इस लड़की जैसा नहीं, निःसंदेह मैंने उसका नाम मरयम रखा है और निःसंदेह मैं उसे तथा उसकी संतान को धिक्कारे हुए शैतान से तेरी पनाह में देती हूँ।

आल-ए-इमरान 3:37

तो उसके पालनहार ने उसे अच्छी स्वीकृति के साथ स्वीकार किया और उसका अच्छी तरह पालन-पोषण किया और उसका अभिभावक ज़करिय्या को बना दिया। जब कभी ज़करिय्या उसके पास मेह़राब (उपासना की जगह) में जाता, उसके पास कोई न कोई खाने की चीज़ पाता। उसने कहा : ऐ मरयम! यह तेरे लिए कहाँ से है? उसने कहा : यह अल्लाह के पास से है। निःसंदेह अल्लाह जिसे चाहता है, बेहिसाब रोज़ी प्रदान करता है।

आल-ए-इमरान 3:42

और (याद करो) जब फ़रिश्तों ने कहा : ऐ मरयम! निःसंदेह अल्लाह ने तुम्हारा चयन कर लिया तथा तुम्हें पवित्र कर दिया और सर्व संसार की स्त्रियों पर तुम्हें चुन लिया है।

आल-ए-इमरान 3:43

ऐ मरयम! अपने पालनहार का आज्ञापालन करती रहो और सजदा करो तथा रुकू करने वालों के साथ रुकू करती रहो।

आल-ए-इमरान- 3:44

(ऐ नबी!) ये ग़ैब (परोक्ष) की कुछ सूचनाएँ हैं, जो हम आपकी ओर वह़्य कर रहे हैं और आप उस समय उनके पास मौजूद न थे, जब वे अपनी क़लमों[1] को फेंक रहे थे कि उनमें से कौन मरयम की किफ़ालत करे और न आप उस समय उनके पास थे, जब वे झगड़ रहे थे।

आल-ए-इमरान- 3:45

(ऐ नबी! उस समय को याद करें) जब फ़रिश्तों ने कहा : ऐ मरयम! निःसंदेह अल्लाह तुम्हें अपनी ओर से एक शब्द[1] की शुभ सूचना देता है, जिसका नाम 'मसीह़ ईसा बिन मरयम' है। वह दुनिया तथा आख़िरत में महान स्थान वाला और निकटवर्ती लोगों में से होगा।

आल-ए-इमरान- 3:46

और वह लोगों से पालने में बात करेगा तथा अधेड़ आयु में भी और नेक लोगों में से होगा।

आल-ए-इमरान- 3:47

उस (मरयम) ने (आश्चर्य से) कहा : ऐ मेरे पालनहार! मेरे हाँ पुत्र कैसे होगा, हालाँकि किसी पुरुष ने मुझे हाथ नहीं लगाया? उसने[1] कहा : इसी तरह अल्लाह पैदा करता है जो चाहता है। जब वह किसी काम का निर्णय कर लेता है, तो उससे यही कहता है : "हो जा", तो वह हो जाता है।

आल-ए-इमरान- 3:48

और अल्लाह उसे लेखन, ह़िकमत, तौरात और इंजील की शिक्षा देगा।

आल-ए-इमरान- 3:49

और (वह) बनी इसराईल की ओर रसूल होगा। (वह कहेगा :) निःसंदेह मैं तुम्हारे पास तुम्हारे पालनहार की ओर से बड़ी निशानी लेकर आया हूँ कि निःसंदेह मैं तुम्हारे लिए मिट्टी से पक्षी के रूप जैसी आकृति बनाता हूँ, फिर उसमें फूँक मारता हूँ, तो वह अल्लाह की अनुमति से पक्षी बन जाती है और मैं अल्लाह की अनुमति से जन्म से अंधे तथा कोढ़ी को स्वस्थ कर देता हूँ और मुर्दों को जीवित कर देता हूँ। तथा तुम्हें बता देता हूँ जो कुछ तुम अपने घरों में खाते हो और जो संग्रह करते हो। निःसंदेह इसमें तुम्हारे लिए एक निशानी है, यदि तुम ईमान वाले हो।

आल-ए-इमरान- 3:50

तथा अपने से पहले की किताब तौरात की पुष्टि करने वाला हूँ और ताकि मैं तुम्हारे लिए कुछ वे चीज़ें हलाल कर दूँ, जो तुम पर हराम कर दी गई थीं तथा मैं तुम्हारे पास तुम्हारे पालनहार की ओर से बड़ी निशानी लेकर आया हूँ। अतः तुम अल्लाह से डरो और मेरा कहना मानो।

आल-ए-इमरान- 3:51

निःसंदेह अल्लाह ही मेरा पालनहार और तुम्हारा पालनहार है। अतः उसी की इबादत करो। यही सीधा मार्ग है।

आल-ए-इमरान- 3:52

फिर जब ईसा ने उनसे कुफ़्र महसूस किया, तो कहा : कौन हैं जो अल्लाह की ओर (बुलाने में) मेरे सहायक हैं? ह़वारियों (साथियों) ने कहा : हम अल्लाह के सहायक हैं। हम अल्लाह पर ईमान लाए और तुम गवाह रहो कि निःसंदेह हम आज्ञाकारी हैं।

आल-ए-इमरान- 3:53

ऐ हमारे पालनहार! हम उसपर ईमान लाए, जो तूने उतारा और हमने रसूल का अनुसरण किया, अतः तू हमें गवाही देने वालों के साथ लिख ले।

आल-ए-इमरान- 3:54

तथा उन्होंने गुप्त योजना[1] बनाई और अल्लाह ने (भी) गुप्त योजना बनाई और अल्लाह सब गुप्त योजना बनाने वालों से बेहतर है।

आल-ए-इमरान- 3:55

जब अल्लाह ने कहा : ऐ ईसा! मैं तुझे क़ब्ज़ करने वाला हूँ और तुझे अपनी ओर उठाने वाला हूँ, तथा तुझे उन लोगों से पवित्र करने वाला हूँ जिन्होंने कुफ़्र किया और तेरे अनुयायियों को क़ियामत के दिन तक काफ़िरों के ऊपर[1] करने वाला हूँ। फिर मेरी ही ओर तुम्हारा लौटकर आना है। तो मैं तुम्हारे बीच उस चीज़ के बारे में निर्णय करूँगा, जिसमें तुम मतभेद किया करते थे।

अन-निसा' 4:157

तथा उनके (गर्व से) यह कहने के कारण कि निःसंदेह हमने ही अल्लाह के रसूल मरयम के पुत्र ईसा मसीह को क़त्ल किया। हालाँकि न उन्होंने उसे क़त्ल किया और न उसे सूली पर चढ़ाया, बल्कि उनके लिए (किसी को मसीह का) सदृश बना दिया गया। निःसंदेह जिन लोगों ने इस मामले में मतभेद किया, निश्चय वे इसके संबंध में बड़े संदेह में हैं। उन्हें इसके संबंध में अनुमान का पालन करने के सिवा कोई ज्ञान नहीं, और उन्होंने उसे निश्चित रूप से क़त्ल नहीं किया।

अन-निसा' 4:159

और किताब वालों में से कोई न होगा, परंतु उसकी मौत से पहले उसपर अवश्य ईमान[1] लाएगा और वह क़ियामत के दिन उनपर गवाह[2] होगा।

अन-निसा' 4:163

(ऐ नबी!) निःसंदेह हमने आपकी ओर वह़्य[1] भेजी, जैसे हमने नूह और उसके बाद (दूसरे) नबियों की ओर वह़्य भेजी। और हमने इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़, याक़ूब और उसकी संतान, तथा ईसा, अय्यूब, यूनुस, हारून और सुलैमान की ओर वह़्य भेजी और हमने दाऊद को ज़बूर प्रदान की।

अन-निसा' 4:171

ऐ किताब वालो! अपने धर्म में हद से आगे[1] न बढ़ो और अल्लाह के बारे में सत्य के सिवा कुछ न कहो। मरयम का पुत्र ईसा मसीह केवल अल्लाह का रसूल और उसका 'शब्द' है,

जिसे (अल्लाह ने) मरयम की ओर भेजा तथा उसकी ओर से एक आत्मा[2] है। अतः अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान लाओ और यह न कहो कि (पूज्य) तीन हैं। बाज़ आ जाओ! तुम्हारे लिए बेहतर होगा। अल्लाह केवल एक ही पूज्य है। वह इससे पवित्र है कि उसकी कोई संतान हो। उसी का है जो कुछ आकाशों में हैं और जो कुछ धरती में है और अल्लाह कार्यसाधक[3] के रूप में काफ़ी है।

अन-निसा' 4:172

मसीह़ हरगिज़ इससे तिरस्कार महसूस नहीं करेगा कि वह अल्लाह का बंदा हो और न निकटवर्ती फ़रिश्ते ही, और जो भी उसकी बंदगी से तिरस्कार महसूस करे और अभिमान करे, तो वह (अल्लाह) उन सभी को अपने पास एकत्र करेगा।

अल-माइदा 5:17

निश्चय वे लोग काफ़िर[1] हो गए, जिन्होंने कहा कि निःसंदेह अल्लाह मरयम का पुत्र मसीह ही तो है। (ऐ नबी!) कह दें : यदि अल्लाह मसीह बिन मरयम और उसकी माता तथा धरती में मौजूद सभी लोगों को विनष्ट करना चाहे, तो कौन अल्लाह को रोकने का अधिकार रखता है? तथा अल्लाह ही के लिए आकाशों और धरती का राज्य है और उसकी भी जो उन दोनों के बीच है। वह पैदा करता है जो चाहता है तथा अल्लाह हर चीज़ का पूर्ण सामर्थ्य रखता है।

अल-माइदा 5:19

ऐ किताब वालो! निःसंदेह तुम्हारे पास हमारा रसूल[1] आया है, जो तुम्हारे लिए खोलकर बयान करता है, रसूलों के एक अंतराल के बाद, ताकि तुम यह न कहो कि हमारे पास न कोई शुभ सूचना देने वाला आया और न डराने वाला। तो निश्चय तुम्हारे पास एक शुभ सूचना देने

वाला और डराने वाला आ चुका है। तथा अल्लाह हर चीज़ पर शक्ति रखने वाला है।

अल-माइदा 5:46

और हमने उनके पीछे उन्हीं के पद-चिन्हों पर मरयम के बेटे ईसा को भेजा, जो उससे पहले (उतरने वाली) तौरात की पुष्टि करने वाला था तथा हमने उसे इंजील प्रदान की, जिसमें मार्गदर्शन और प्रकाश थी और वह उससे पूर्व (उतरने वाली किताब) तौरात की पुष्टि करने वाली थी तथा वह (अल्लाह से) डरने वालों के लिए सर्वथा मार्गदर्शन और उपदेश थी।

अल-माइदा 5:72

निःसंदेह उन लोगों ने कुफ़्र किया, जिन्होंने कहा कि निःसंदेह अल्लाह[1] तो मरयम का बेटा मसीह ही है। जबकि मसीह ने कहा : ऐ बनी इसराईल! अल्लाह की इबादत करो, जो मेरा पालनहार तथा तुम्हारा पालनहार है। निःसंदेह सच्चाई यह है कि जो भी अल्लाह के साथ साझी बनाए, तो निश्चय उसपर अल्लाह ने जन्नत हराम (वर्जित) कर दी और उसका ठिकाना आग (जहन्नम) है। तथा अत्याचारियों के लिए कोई मदद करने वाले नहीं।

अल-माइदा 5:78

बनी इसराईल में से जिन लोगों ने कुफ़्र किया, उनपर दाऊद तथा मरयम के बेटे ईसा की ज़बान पर ला'नत (धिक्कार)[1] की गई। यह इस कारण कि उन्होंने अवज्ञा की तथा वे हद से आगे बढ़ते थे।

अल-माइदा 5:110

(तथा याद करो) जब अल्लाह कहेगा : ऐ मरयम के पुत्र ईसा! अपने ऊपर तथा अपनी माता के ऊपर मेरा अनुग्रह याद कर, जब मैंने पवित्रात्मा (जिबरील) द्वारा तेरी सहायता की। तू गोद (पालने) में तथा अधेड़ आयु में लोगों से बातें करता था। तथा जब मैंने तुझे किताब और हिकमत तथा तौरात और इंजील की शिक्षा दी। और जब तू मेरी अनुमति से मिट्टी से पक्षी की आकृति की तरह (रूप) बनाता था, फिर तू उसमें फूँक मारता तो वह मेरी अनुमति से पक्षी बन जाता था और तू जन्म से अंधे तथा कोढ़ी को मेरी अनुमति से स्वस्थ कर देता था और जब तू मुर्दों को मेरी अनुमति से निकाल (जीवित) खड़ा करता था। और जब मैंने बनी इसराईल को तुझसे रोका, जब तू उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आया, तो उनमें से कुफ़्र करने वालों ने कहा : यह तो स्पष्ट जादू के सिवा कुछ नहीं।

अल-माइदा 5:112

जब हवारियों ने कहा : ऐ मरयम के पुत्र ईसा! क्या तेरा पालनहार यह कर सकता है कि हमपर आकाश से एक थाल (भोजन सहित दस्तर-ख़्वान) उतार दे? उस (ईसा) ने कहा : अल्लाह से डरो, यदि तुम ईमान वाले हो।

अल-माइदा 5:114

मरयम के पुत्र ईसा ने प्रार्थना की : ऐ अल्लाह! ऐ हमारे पालनहार! हम पर आकाश से एक थाल उतार, जो हमारे तथा हमारे पश्चात् के लोगों के लिए उत्सव (का दिन) बन जाए तथा तेरी ओर से एक निशानी (हो)। तथा हमें जीविका प्रदान कर, तू ही सबसे उत्तम जीविका प्रदान करने वाला है।

अल-माइदा 5:116

तथा जब अल्लाह (क़ियामत के दिन) कहेगा : ऐ मरयम के पुत्र ईसा! क्या तुमने लोगों से कहा था कि मुझे तथा मेरी माँ को अल्लाह के अलावा दो पूज्य बना लो? वह कहेगा : तू पवित्र है, मुझसे यह कैसे हो सकता है कि ऐसी बात कहूँ, जिसका मुझे कोई अधिकार नहीं? यदि मैंने यह बात कही थी, तो निश्चय तूने उसे जान लिया। तू जानता है, जो मेरे मन में है और मैं नहीं जानता जो तेरे मन में है। निश्चय तू ही सब छिपी बातों (परोक्ष)) को बहुत ख़ूब जानने वाला है।

अल-अनआम 6:85

तथा ज़करीया और यहूया और ईसा और इलयास को। ये सभी सदाचारियों में से थे।

अतौबा 9:30

तथा यहूदियों ने कहा कि उज़ैर अल्लाह का पुत्र है और ईसाइयों ने कहा कि मसीह अल्लाह का पुत्र है। ये उनके अपने मुँह की बातें हैं। वे उन लोगों जैसी बातें कर रहे हैं, जिन्होंने इनसे पहले कुफ़्र किया। उनपर अल्लाह की मार हो! वे कहाँ बहकाए जा रहे हैं?

अलकहफ़ 18:4

और उन लोगों को डराए, जिन्होंने कहा कि अल्लाह ने कोई संतान बना रखी है।

अलकहफ़ 18:5

न उन्हें इसका कुछ ज्ञान है और न उनके बाप-दादा को। बहुत बड़ी (गंभीर) बात है, जो उनके मुँह से निकल रही है। वे सरासर झूठ बोल रहे हैं।

मरयम 19:16

तथा इस किताब में मरयम[1] की चर्चा करें, जब वह अपने घरवालों से एक स्थान पर अलग हो गईं जो (उनसे) पूरब की ओर था।

मरयम 19:17

फिर उसने उनकी ओर से एक परदा बना लिया, तो हमने उसकी ओर अपनी रूह़ (विशेष फ़रिश्ता)[1] को भेजा, तो उसने उसके लिए एक पूरे मनुष्य का रूप धारण कर लिया।

मरयम 19:18

उसने कहा : निःसंदेह मैं तुझसे रहमान (परम दयावान्) की शरण माँगती हूँ, यदि तू डर रखने वाला है।

मरयम 19:19

उसने कहा : मैं तेरे पालनहार का भेजा हुआ हूँ, ताकि तुझे एक पवित्र लड़का प्रदान करूँ।

मरयम 19:20

वह बोली : मुझे लड़का कैसे हो सकता है, जबकि किसी पुरुष ने मुझे छुआ तक नहीं है और न मैं कभी व्यभिचारिणी थी।

मरयम 19:21

उसने कहा : ऐसा ही है, तेरे पालनहार ने कहा है कि यह मेरे लिए आसान है और ताकि हम इसे लोगों के लिए एक निशानी[1] और अपनी ओर से रहमत बनाएँ और यह एक पूर्वनियत कार्य है।

मरयम 19:22

फिर वह उस (लड़के) के साथ गर्भवती हो गई, तो उसे लेकर एक दूर स्थान पर अलग चली गई।

मरयम 19:23

फिर प्रसव पीड़ा उसे खजूर के एक तने के पास ले लाई, कहने लगी : ऐ काश! मैं इससे पहले मर जाती और भूली-बिसरी होती।

मरयम 19:24

तो उसने उसके नीचे से पुकारा[1] कि शोकाकुल न हो, तेरे पालनहार ने तेरे नीचे[2] एक नदी (प्रवाह) कर दी है।

मरयम 19:25

और खजूर के तने को अपनी ओर हिला, वह तुझपर ताज़ा पकी हुई खजूरें गिराएगा।

मरयम 19:26

अतः खा और पी और आँख ठंडी कर। फिर यदि तू किसी आदमी को देखे, तो कह दे : मैंने तो रहमान के लिए रोज़े की मन्नत मानी है। अतः आज मैं कदापि किसी मनुष्य से बात नहीं करूँगी।

मरयम 19:27

फिर वह उसे उठाए हुए अपनी जाति के पास ले आई, उन्होंने कहा : ऐ मरयम! तूने बहुत बुरा काम किया है।

मरयम 19:28

ऐ हारून की बहन! न तेरा पिता कोई बुरा व्यक्ति था और न तेरी माँ कोई व्यभिचारिणी थी।

मरयम 19:29

तो उसने उस (शिशु) की ओर संकेत किया। उन्होंने कहा : हम उससे कैसे बात करें, जो अभी तक गोद में बच्चा है?

मरयम 19:30

वह (शिशु) बोल पड़ा : निःसंदेह मैं अल्लाह का बंदा हूँ। उसने मुझे पुस्तक (इन्जील) प्रदान की तथा मुझे नबी बनाया है।

मरयम 19:31

तथा मुझे बरकत वाला बनाया है, जहाँ भी मैं रहूँ और मुझे नमाज़ तथा ज़कात का आदेश दिया है, जब तक मैं जीवित

रहूँ।

मरयम 19:32

तथा आपनी माँ के साथ अच्छा व्यवहार करने वाला (बनाया) और उसने मुझे क्रूर तथा अभागा[1] नहीं बनाया।

मरयम 19:33

तथा सलामती है मुझपर, जिस दिन मैं पैदा हुआ और जिस दिन मैं मरूँगा और जिस दिन मैं जीवित करके उठाया जाऊँगा।

मरयम 19:34

यह है ईसा बिन मरयम। यही सत्य बात है, जिसमें वे संदेह कर रहे हैं।

मरयम 19:35

अल्लाह के योग्य नहीं है कि वह कोई संतान बनाए। वह पवित्र है! जब वह किसी कार्य का निर्णय करता है, तो उससे केवल यह कहता है कि "हो जा", तो वह हो जाता है।

मरयम 19:36

और निःसंदेह अल्लाह ही मेरा पालनहार और तुम्हारा पालनहार है, अतः उसी की इबादत करो, यही सीधा रास्ता है।

मरयम 19:37

फिर इन गिरोहों[1] ने आपस में मतभेद कर लिया, तो उन लोगों के

लिए जिन्होंने कुफ़्र किया, एक बड़े दिन की उपस्थिति के कारण बड़ा विनाश है।

मरयम 19:38

वे कितने सुनने वाले होंगे और कितने देखने वाले होंगे! जिस दिन वे हमारे पास आएँगे, किंतु अत्याचारी लोग आज खुली गुमराही में हैं।

मरयम 19:39

और (ऐ नबी!) आप उन्हें पछतावे के दिन से डराएँ, जब हर काम का फैसला[1] कर दिया जाएगा, और वे पूरी तरह से ग़फ़लत में हैं और वे ईमान नहीं लाते।

मरयम 19:40

निःसंदेह हम ही धरती के उत्तराधिकारी होंगे और उनके भी जो उसपर हैं और वे हमारी ही ओर लौटाए जाएँगे।

अल-मुमीनुन 23:50

और हमने मरयम के पुत्र (ईसा) तथा उसकी माँ को महान निशानी बनाया तथा दोनों को एक ऊँची भूमि[1] पर ठिकाना दिया, जो रहने के योग्य तथा प्रवाहित पानी वाली थी।

अल-अहज़ाब 33:7

तथा (याद करो) जब हमने नबियों से उनका वचन[1] लिया। तथा

(विशेष रूप से) आपसे और नूह और इबराहीम और मूसा और मरयम के पुत्र ईसा से। और हमने उनसे दृढ़ वचन लिया।

अश्शूरा 42:13

उसने तुम्हारे लिए वही धर्म निर्धारित[1] किया है, जिसका आदेश उसने नूह को दिया और जिसकी वह्य हमने आपकी ओर की, तथा जिसका आदेश हमने इबराहीम तथा मूसा और ईसा को दिया, यह कि इस धर्म को क़ायम करो और उसके विषय में अलग-अलग न हो जाओ। बहुदेववादियों पर वह बात भारी है जिसकी ओर आप उन्हें बुलाते हैं। अल्लाह जिसे चाहता है, अपने लिए चुन लेता है और अपनी ओर मार्ग उसी को दिखाता है, जो उसकी ओर लौटता है।

अज़-ज़ुख़रुफ़ 43:59

वह [ईसा] तो केवल एक बंदा है, जिसपर हमने उपकार किया तथा हमने उसे बनी इसराईल के लिए एक उदाहरण बना दिया।

अज़-ज़ुख़रुफ़ 43:61

तथा निःसंदेह वह (ईसा) निश्चय क़ियामत की एक निशानी[1] है। अतः तुम उसमें कदापि संदेह न करो और मेरी पैरवी करो, यही सीधा रास्ता है।

अज़-ज़ुख़रुफ़ 43:63

और जब ईसा खुले तर्कों के साथ आया, तो उसने कहा : निःसंदेह मैं तुम्हारे पास हिकमत लेकर आया हूँ और ताकि मैं तुम्हारे लिए कुछ ऐसी बातें स्पष्ट कर दूँ, जिनमें तुम विभेद करते हो। अतः अल्लाह से डरो और मेरा कहना मानो।

अल हदीद 57:27

फिर हमने उनके पद्चिह्नों पर निरंतर अपने रसूल भेजे। और उनके पीछे मरयम के पुत्र ईसा को भेजा, और उसे इंजील प्रदान किया, और हमने उन लोगों के दिलों में जिन्होंने उसका अनुसरण किया नर्मी और मेहरबानी रख दी। रहा संन्यास, तो उन्होंने खुद इसका आविष्कार किया, हमने उसे उनके ऊपर अनिवार्य नहीं किया[1] था, परंतु अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए (उन्होंने ऐसा किया)। फिर उन्होंने उसका पूर्ण रूप से पालन नहीं किया। फिर हमने उनमें से जो लोग ईमान लाए उन्हें उनका बदला प्रदान कर दिया और उनमें से बहुत-से लोग अवज्ञाकारी हैं।

अस-सफ 61:6

तथा याद करो जब मरयम के पुत्र ईसा ने कहा : ऐ इसराईल की संतान! निःसंदेह मैं तुम्हारी ओर अल्लाह का रसूल हूँ, उस तौरात की पुष्टि करने वाला हूँ, जो मुझसे पहले आई है तथा एक रसूल की शुभ सूचना देने वाला हूँ, जो मेरे बाद आएगा, जिसका नाम अहमद है। फिर जब वह उनके पास खुले प्रमाणों को लेकर आया, तो उन्होंने कहा यह खुला जादू है।

अस-सफ 61:14

ऐ ईमान वालो! तुम अल्लाह (के धर्म) के सहायक बन जाओ, जिस तरह मरयम के पुत्र ईसा ने ह़वारियों से कहा : अल्लाह की ओर मेरे सहायक कौन हैं? ह़वारियों ने कहा : हम अल्लाह के (धर्म के) सहायक हैं। तो बनी इसराईल में से एक समूह ईमान लाया और एक समूह ने इनकार किया। फिर हमने उन लोगों का, जो ईमान लाए थे,

उनके शत्रुओं के विरुद्ध समर्थन किया, तो वे हावी हो गए।

अततहरीम 66:12

तथा इमरान की बेटी मरयम का (उदाहरण प्रस्तुत किया है), जिसने अपने सतीत्व की रक्षा की, तो हमने उसमें अपनी एक रूह़ फूँक दी तथा उसने अपने पालनहार की बातों और उसकी पुस्तकों की पुष्टि की और वह इबादत करने वालों में से थी।

अंत में

प्रिय पाठक, अब तक आप उस सत्य को समझ गये होंगे जो ये श्लोक दर्शाते हैं। आपको इस सत्य को स्वीकार करने के लिए खुद को तेज करना चाहिए और उस एक ईश्वर को स्वीकार करना चाहिए जिसने हम सभी को बनाया है और स्वीकार करना चाहिए कि यीशु ईश्वर के दूत हैं और पैगंबर मुहम्मद दोनों दुनियाओं में जीतने वाले ईश्वर के अंतिम दूत हैं। यही इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य है

पवित्र कुरान अनुवाद प्राप्त करना न भूलें और हमने अंग्रेजी या हिंदी, कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगु में कुरान अनुवाद डाउनलोड करने के लिए इस पुस्तक के पीछे एक क्यूआर कोड प्रदान किया है।

इस सच्चे संदेश को लोगों तक पहुंचाओ या अल्लाह!

हमसे यह कार्य स्वीकार करो या अल्लाह!

अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़,
मलयालम में कुरान पढ़ने के लिए

तमिल और तेलुगु...

पैगंबर मुहम्मद को पढ़ने के लिए

(उन पर शांति हो) तमिल में जीवन और पाठ...

सत्य की ओर मुड़ें

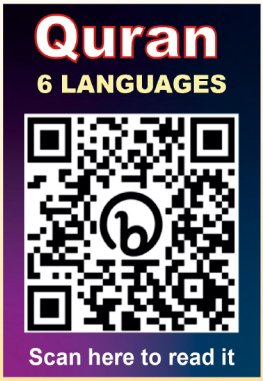
(आरंभ में) सब लोग एक ही समुदाय थे। (फिर विभेद हुआ) तो अल्लाह ने नबी भेजे, शुभ समाचार सुनाने वाले[1] और डराने वाले, और उनपर सत्य के साथ पुस्तक उतारी, ताकि वह लोगों के बीच उन बातों का फैसला करे, जिनमें उन्होंने मतभेद किया था। और उसमें मतभेद उन्हीं लोगों ने किया, जिन्हें वह दी गई थी, इसके बाद कि उनके पास स्पष्ट निशानियाँ आ चुकीं, आपस के हठ के कारण। फिर जो लोग ईमान लाए, अल्लाह ने उन्हें अपनी आज्ञा से सत्य में से उस बात का मार्गदर्शन किया, जिसमें उन्होंने मतभेद किया था और अल्लाह जिसे चाहता है, सीधा मार्ग दर्शाता है। (2 : 213)

अल्लाह की ओर से एक प्रकाश और स्पष्ट पुस्तक

ऐ किताब वालो! तुम्हारे पास हमारे रसूल[1] आ गए हैं, जो तुम्हारे लिए उनमें से बहुत-सी बातें खोलकर बयान करते हैं, जिन्हें तुम किताब में से छिपाया करते थे और बहुत-सी बातों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। निःसंदेह तुम्हारे पास अल्लाह की ओर से एक प्रकाश तथा स्पष्ट पुस्तक (क़ुरआन) आई है। (5:15)

ईमान लाने वाले लोगों के लिए मार्गदर्शन और दया के रूप में।

और हमने आपपर यह पुस्तक (क़ुरआन) केवल इसलिए उतारी है कि आप उनके सामने वह बात खोल-खोलकर बयान कर दें, जिसमें उन्होंने मतभेद किया है। तथा उन लोगों के लिए मार्गदर्शन और दया के रूप में जो ईमान लाते हैं। (16 : 64)







Who is Prophet Muhammed ?

Say, "I am not something new among the messengers, nor do I know what will be done with me or with you. I only follow that which is revealed to me, and I am no but a clear warner.

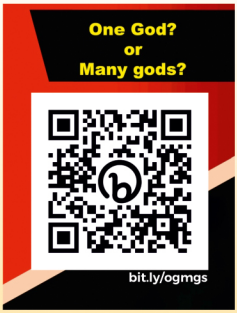
Quran 46:9








The Quran
English, Hindi, Kannada, Malayalam, Tamil & Telugu
bit.ly/the-qurans


One God?
or
Many gods?
bit.ly/ogmgs


एक भगवान?
या
अनेक भगवान?
ek bhagavaan?
ya anek bhagavaan?


scan






Are you also a seeker of True God?
MASFOI
MAS Foundation Trust
Thacker Street
Purasawalkan
Chennai
98388 92393


Truths told in Quran about Jesus and Mary (peace be upon them).
(Things Christians Need to Know)


Does God exist?
Will He shows up?
(For an Atheist)